

मृगलोचनी वि. (तत्.) मृग के समान सुंदर आँखों वाली, मृगनयनी।

मृगवल्लभ पुं. (तत्.) एक प्रकार की घास।

मृगवारि पुं. (तत्.) दे. मृग मरीचिका।

मृगवाहन पुं. (तत्.) 1. पवन, वायु 2. स्वाति नक्षत्र।

मृगव्य पुं. (तत्.) 1. शिकार के योग्य 2. जिसका शिकार शेर करता हो 3. जिसे मारने से कोई प्रयोजन सिद्ध होता हो।

मृगव्याध पुं. (तत्.) 1. आखेटक, शिकारी 2. एक नक्षत्र या तारा जो अत्यधिक चमकीला होता है, लुब्धक।

मृगशिरा पुं. (तत्.) ज्योतिष के अनुसार सत्ताईश नक्षत्रों में से पाँचवाँ नक्षत्र जो तीन तारों का समूह है। इसका स्वामी चन्द्र है, मृगशीर्ष।

मृगशीर्ष पुं. (तत्.) 1. मृगशिरा नक्षत्र 2. मार्गशीर्ष मास, अगहन मास।

मृगश्रेष्ठ पुं. (तत्.) 1. पशुओं में श्रेष्ठ 2. सिंह, व्याघ्र, शेर।

मृगहा पुं. (तत्.) आखेटक, शिकारी।

मृगांक पुं. (तत्.) चन्द्रमा।

मृगांक-रस पुं. (तत्.) वैद्यक में सुवर्ण, रत्नादि को घोटकर बनाई गई औषधि जो क्षयरोग के लिए अत्यधिक गुणकारी है।

मृगांतक वि. (तत्.) मृग आदि पशुओं को मारने या उनका अंत करने वाला, जैसे शेर, चीता आदि।

मृगा स्त्री. (तत्.) सहदेई नाम का पौधा।

मृगाक्ष वि. (तत्.) मृग की तरह सुंदर आँखों वाला, मृग-नैन, मृगनेत्र।

मृगाक्षी वि. (तत्.) मृगनयनी, मृगलोचनी, मृग के समान सुंदर नेत्रों वाली।

मृगाजिन पुं. (तत्.) मृगछाला, मृगचर्म।

मृगाजीव स्त्री. (तत्.) 1. कस्तूरी 2. वारुणी नामक लता।

मृगाद पुं. (तत्.) मृग जिसका भोजन है अर्थात् सिंह, चीता, बाघ आदि वि. मृगों को खाने वाला।

मृगादन वि. (तत्.) मृगाद, मृगों को खाने वाला।

मृगादनी स्त्री. (तत्.) 1. इन्द्रायन, इन्द्रवारुणी 2. सहदेई 3. ककड़ी।

मृगाराति पुं. (तत्.) श्वान, कुत्ता।

मृगाशन पुं. (तत्.) सिंह, शेर, व्याघ्र।

मृगित वि. (तत्.) अन्वेषित, जिसके बारे में खोजबीन की गई हो।

मृगिनी वि. (तत्.) हिरनी, मृगी, मादा हिरन।

मृगी स्त्री. (तत्.) 1. हिरनी, मादा हिरन 2. पीले रंग की कौड़ी 3. अपस्मार या मिरगी नामक रोग 4. कस्तूरी 5. कश्यप ऋषि की क्रोधवशा नामक पत्नी से उत्पन्न दस कन्याओं में से एक जिससे मृगों की उत्पत्ति हुई और वह पुलह ऋषि की पत्नी थी 6. एक प्रकार का वर्णवृत्त, प्रियावृत्त (प्रत्येक चरण में एक रगण)।

मृगीवंत पुं. (देश.) मृग-मरीचिका, मृग-तृष्णा।

मृगेंद्र पुं. (तत्.) सिंह, शेर, मृगेश।

मृगेंद्र-चटक पुं. (तत्.) चिड़ियों का बाघ अर्थात् बाज पक्षी, श्येन।

मृगेल स्त्री. (तत्.+हि.) सुनहरी आँखों वाली एक प्रकार की मछली।

मृगेश पुं. (तत्.) सिंह, व्याघ्र।

मृगोत्तम पुं. (तत्.) 1. मृगशिरा नक्षत्र 2. मृगों में उत्तम या श्रेष्ठ।

मृग्य वि. (तत्.) 1. खोजे जाने योग्य, अन्वेषण के योग्य 2. जिसका पीछा किया जा सके 3. जिसका शिकार किया जा सके।

मृच्छकटिक पुं. (तत्.) शूद्रक द्वारा रचित संस्कृत का एक प्रसिद्ध नाटक।